यूपीईएस ने आईहब-अवध के साथ किए एमओयू पर हस्ताक्षर

- **विचार और बिजनेस के भविष्य को आकार देगी साझेदारी**

भास्कर समाचार सेवा

हस्ताक्षरित दस्तावेजों का आदान प्रदान करते पदाधिकारी।

देहरादून। यूपीईएस रनवे इनक्यूबेटर ने आईहब-अवध (कृषि और जल प्रौद्योगिकी विकास हब), आईआईटी रोपड़ के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। यह स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप दोनो संस्थानों को एकजुट करती है, जिसकी मदद से दोनों संस्थान ज्ञान और इनोवेशन आगे बढ़ाने और एडवांस स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ाने के विजन पे काम करेंगे। यह पार्टनरशिप उभरते हुए विचार और बिजनेस के भविष्य को आकार देगा। यह साझेदारी ग्रांट और इन्वेस्टमेंट के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जो नए विचारों के पोषण और विस्तार के प्रति इसके समर्पण को दिखता है।

इसके अलावा यह साझेदारी यूपीईएस में एक अत्याधुनिक साइबर-फिजिकल सिस्टम लैब की स्थापना में भी सहायता करेगी। यह अत्याधुनिक प्रयोगशाला न सिर्फ यूपीईएस बल्कि बाहरी संस्थानों के छात्रों, शोधकर्ताओं और स्टार्टअप्स के बीच सीपीएस कौशल को बढ़ावा देने के लिए एक केंद्र के रूप में काम करेगी और उत्तराखंड क्षेत्र में रिसर्च और इनोवेशन को भी बढ़ावा देगी। इसके अलावा, स्टार्टअप्स अपनी टेक्नोलॉजी को आगे बढ़ाने के लिए प्रयोगशाला के संसाधनों का लाभ उठाने में भी सक्षम होंगे। रनवे इनक्यूबेटर के सीईओ राहुल नैनवाल ने कहा कि हमारा लक्ष्य सहयोगात्मक रिसर्च की संस्कृति को आगे बढ़ाना, टेक्निकल इनोवेशन को बढ़ावा देना और छात्रों और स्टार्टअप दोनों के लिए एक अच्छा वातावरण प्रदान करना है। साथ मिलकर, हम एक सफल भविष्य की दिशा में रास्ता बनाते हुए नॉलेज और एप्लीकेशन के क्षेत्रों को जोड़ने का प्रयास करते हैं। चीफ इनोवेशन ऑफिसर आईहब-अवध आईआईटी रोपड़ मुकेश केस्टवाल ने कहा कि हम यूपीईएस रनवे इनक्यूबेटर के साथ सहयोग करके रोमांचित हैं। अपनी सम्मिलित सहयोग की शक्ति का उपयोग करते हुए, हम छात्रों, शोधकर्ताओं और आंत्रप्रेन्योर को अच्छी सहायता प्रदान करने, उन्हें अपने रेवोलुशनरी आइडियाज को जीवन में लाने के लिए और सशक्त बनाने के लिए कमिटेड हैं। यह एक ऐसे कम्युनिटी के निर्माण की दिशा में एक मजबूत कदम है जो इनोवेशन, क्रिएटिविटी और उज्जवल और बेहतर भविष्य के लिए काम करता है। रनवे यूपीईएस काउंसिल फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (यूसीआईई) द्वारा एक इनक्यूबेशन पहल है। यूसीआईई को उत्तराखंड सरकार द्वारा एक बिजनेस इनक्यूबेटर के रूप में मान्यता दी गई है और यह यूनिवर्सिटी बिजनेस इनक्यूबेटर (यूबीआई) ग्लोबल प्लेटफॉर्म का सदस्य भी है।